सवा करोड़ जाप का संकल्प व व्रत

साधकों के आत्मकल्याण, भगवद्प्राप्ति एवं परमानन्द प्राप्ति के लिए निज का सवा करोड़ का ''रामनाम'' जाप का संकल्प लेने के लिए गुरुजनों की प्रेरणा रही है। यह व्रत हम सबकी आध्यात्मिक उन्नति के किवाड़ खोल देगा। परम पूजनीय स्वामी जी महाराज ने अपने लघु ग्रन्थ ''उपासक का आन्तरिक जीवन में लिखा है **''राम नाम के उपासक को, राम नाम का जाप, जीवन का एक अंग बना लेना उचित है। दैनिक कार्यक्रमों में 'नाम' जाप को मुख्य स्थान देना चाहिये।** ''

परम पूजनीय श्री महाराज ने फरमाया है,''जाप प्रेमपूर्वक, भाव सहित हो, श्रद्धा व विश्वास से हो और निष्काम भावना से हो। परमेश्वर मिलन का अमोघ साधन है सिमरन''

यह व्रत हम सब 2 जुलाई 2014 से भी लिया जा सकता है, इसे पूरा करने के लिए समय सीमा का विकल्प है–

1. यह व्रत 2 जुलाई 2014 से 2 जुलाई 2015 तक पूर्ण कर सकते हैं।
2. यह व्रत 2 जुलाई 2014 से 15 मार्च 2015 तक पूर्ण कर सकते हैं।

1. व्रत लेने वाले साधक को **अपने पहले किए जा रहे नियम जो दीक्षा के समय से कर रहे** हैं वैसे ही निभाने हैं, उन्हें नहीं छोड़ना।

जैसे दोनों समय ध्यान में बैठना, दोनों समय श्री अमृतवाणी का पाठ करना व स्वाध्याय जरुर करना है।

2. जिन साधकों ने 20000 जाप का संकल्प लिया हुआ है वे उसे अपनी इस नई गिनती के साथ रोज़ जोड़ सकते हैं।

आपको दिन में जब जब समय मिलता है, जाप करें, जरुरी नहीं कि एक ही बार बैठ कर करना है। चलते फिरते, यात्रा में, या आफिॅस आदि में खाली समय में किया गया जाप भी आप गिन सकते हैं। जब आप बात करते हुए, टी.वी. देखते समय जाप करते हैं, उस जाप को नहीं गिना जाएगा।

3. श्री रामशरणम् में हर माह आठ दिन जाप होते हैं

4 मंगलवार, 2 तारीख का जाप,13 तारीख का जाप 29 तारीख का जाप और पूर्णिमा का जाप –यदि इन दिनों आप जाप में सम्मिलित होते हैं, एक तो आपको श्रीरामशरणम् में बैठकर जाप करने का सौभाग्य प्राप्त होता है ,दूसरा आपको कई गुणा फल मिलेगा एवं आनन्द प्राप्त होगा। इस जाप को आप अपने संकल्प के जाप में जोड़ सकते हैं।

4. जो साधक एक साल में जाप पूरा करना चाहते हैं उन्हें रोज़ का 36,000 करना होगा। जो 9 महीने में पूरा करना चाहते हैं उन्हें 50,000 रोज का करना होगा।

जो साधक काम काज आदि के कारण 20,000 करते हैं उनका जाप 21 महीनों में पूरा होगा।

5.जाप की संख्या पूरा करने की **टैंशन नहीं लगानी**, आप आराम से प्रेमपूर्वक, भाव से जाप पूरा करें।